Ch- 8 H·Hindi Class VI ①

मौखिक -

क → सुभाषचंद्र ने यह पत्र सन 1912 में लिखा। तब उनकी आयु 15 वर्ष थी और वे घर से दूर रहकर शिक्षा प्राप्त कर रहे थे।

ख → सुभाष भारतमाता को गुलामी की बेड़ियों में बँधा देख दुखी थे। उनका किशोर मन भारतवासियों की स्वार्थभावना कर्महीनता और विवेकशून्यता से दुखी हो उठा था। उन्हें लगा कि वे अपनी माँ के सामने अपना दुख प्रकट कर सकते हैं इसलिए उन्होंने अपनी माँ को पत्र लिखा।

ग → 'बाबू' ऐसे लोगों को कहा गया है जो श्रम को छोटा कार्य समझते हैं और अपना काम भी स्वयं नहीं करते।

घ → हमें अपना स्वार्थ छोड़कर भारतमाता की सेवा में लग जाना चाहिए। निष्क्रियता को छोड़कर कर्मशील और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनने का प्रयास करना चाहिए।

लिखित →

क → लेखक ने भारतमाता को अभागी इसलिए कहा है क्योंकि इतनी संतानों के होते हुए भी उसकी दुर्दशा को सुधारनेवाला एक भी वीर पुत्र नहीं है।

ख हमें जागना होगा' से तात्पर्य है कि हमें कर्मशील, कर्तव्यपरायण, परिश्रमी तथा विवेकी बनना होगा। अपने देश को दासता की बेड़ियों से छुड़ाकर स्वतंत्र करवाना होगा।

ग→

घ→ हमें मानवता की परवाह नहीं है। मनुष्य को मनुष्य नहीं समझते। काम करनेवालों को छोटा समझते हैं। अपनी बुद्धि और विवेक का प्रयोग नहीं करते – यही हमारे देश के पतन का कारण है।

आशय स्पष्ट –

(i) देश पर मर मिटनेवाले श्रेष्ठ वीर अब नहीं रहे। भारत-माता को आज़ादी के लिए प्राण देने वाले वीरों की आवश्यकता है।

(ii) मानवीय गुणों को भूलकर हम स्वार्थी और निष्क्रिय हो रहे हैं। विवेकहीन होकर अपना जीवन आलस्य में बिता रहे हैं। अपनी भारतमाता को बेड़ियों में जकड़ा देखकर भी उसे स्वतंत्र कराने का प्रयास नहीं करते।

Scanned with CamScanner

अभ्यास

श्रुतलेख

अब समय आ गया है .... सेवक बना रहना चाहता हूँ।

पाठ से...

मौखिक

उद्देश्य - Oral Expression
• leadership • reasoning

क. सुभाषचंद्र बोस ने यह पत्र कब लिखा?

ख. सुभाष को यह पत्र लिखने की ज़रूरत क्यों पड़ी?

ग. 'बाबू' किसे कहा गया है?

घ. हमें अपना स्वार्थ त्यागकर किस दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए?

लिखित

उद्देश्य - Written Expression
• cause & effect
• आशय inner meaning
M.I. logical
intrapersonal

क. लेखक ने भारतमाता को अभागी क्यों कहा है?

ख. 'हमें जागना होगा' से लेखक का क्या अभिप्राय है?

ग. क्या आप 'बाबू' बनना पसंद करेंगे? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

घ. लेखक ने देश के पतन का क्या कारण बताया है?

आशय स्पष्ट कीजिए—

i. कहाँ हैं वे वीर आर्य जो भारतमाता के लिए अपने प्राणों का बलिदान कर सकें!

ii. मानवता की ओर हमारा ध्यान ही नहीं जाता।

सही उत्तर चुनकर ✓ लगाइए—

• choosing right answer

MobAPP

क. किस स्थिति में लेखक ने जीवन को व्यर्थ माना है?

- अब भी न जागने पर
- कुछ काम-धाम न करने पर
- कोई श्रेष्ठ काम न कर सकने पर
- देश की दुर्दशा देखते रहने पर

ख. लेखक ने बाबुओं के किस कुलक्षण पर प्रकाश डाला है?

- काम करना नहीं चाहते।
- श्रम को छोटे लोगों से जोड़ते हैं
- काम करना नहीं आता।
- परिश्रम नहीं कर सकते।

(५)

ग. हमारा देश दिन-प्रतिदिन पतन की ओर क्यों बढ़ रहा है?

- ☐ हम आलसी हो गए हैं।
- ☐ हम स्वार्थी हो गए हैं।
- ☐ हम देश की चिंता नहीं करते।
- ☑ हम ज्ञान-विवेक का उपयोग नहीं करते।

सोचकर लिखिए—

नागरिकों का देशप्रेम ही देश की प्रगति तथा सुरक्षा में सहायक है— कैसे?

Values • awareness • humanity • patriotism

भाषा से...

1. 'दुर्दशा' शब्द दुर्+दशा के योग से बना है। दुर् उपसर्ग का अर्थ है— बुरा, कठिन। • prefix

नीचे लिखे शब्दों में दुर् उपसर्ग जोड़कर शब्द बनाइए और उनके अर्थ लिखिए—

गम — दुर्गम — जहाँ जाना कठिन हो

बल — दुर्बल — कमजोर

भावना— दुर्भावना — बुरी भावना

गुण — दुर्गुण — दोष, विकार

आचार — दुराचार — बुरा व्यवहार

लभ — दुर्लभ — कठिनता से प्राप्त होनेवा

2. **दिए गए वाक्यों में संज्ञा या सर्वनाम के साथ लगे रेखांकित चिह्नों को देखिए—** • verb-case

i. ईश्वर ने हमें हाथ दिए हैं पर हम श्रम नहीं करते।

ii. हम श्रम को छोटे लोगों का काम समझकर उससे घृणा करते हैं।

iii. मानवता की ओर हमारा ध्यान नहीं जाता।

ने, को, का, से, रा आदि कारक चिह्न कहलाते हैं। कारक चिह्नों से संज्ञा या सर्वनाम का संबंध क्रिया से जुड़ता है और वाक्यों में पूर्णता आती है।

निम्नलिखित वाक्यों को उचित कारक चिह्न भरकर पूरा कीजिए—

क. ताल ····का···· जल बरफ़-सा शीतल था।

ख. समय अबाध गति ····से···· बढ़ता जाता है।

ग. देशभक्तों ····ने···· देश के लिए जान की बाज़ी लगा दी।

घ. स्वयं ····को···· सुखी बनाने का साधन मधुर वचन है।

ङ. उपवन ····में···· तरह-तरह ····के···· वृक्ष हैं।

च. मेघना घर ····से···· निकल पड़ी।

छ. माँ ····ने···· दादी ····के लिए···· नाश्ता बनाया।

Scanned with CamScanner

3. कुछ शब्दों के अर्थ समान लगते हुए भी एक से नहीं होते, उनमें सूक्ष्म अंतर होता है। ऐसे शब्द **एकार्थक प्रतीत होनेवाले शब्द** कहे जाते हैं। जैसे — ज्ञान-विवेक। 'ज्ञान' किसी विषय या वस्तु की जानकारी को कहते हैं जबकि 'विवेक' भले-बुरे की पहचान करने की समझ को कहते हैं।

• words with minute difference in meanings

- **नीचे लिखे वाक्यों में अर्थ की दृष्टि से उपयुक्त शब्द भरिए—**

i. उसने मुझे अपनी बहुमूल्य शॉल उतारकर दे दी। (अमूल्य/बहुमूल्य)

ii. हमें अपने से बड़ों के प्रति श्रद्धा का भाव रखना चाहिए। (श्रद्धा/भक्ति)

iii. हिमालय का रास्ता दुर्गम है। (अगम/दुर्गम)

iv. इतना खाना पर्याप्त है। (पर्याप्त/ अधिक)

v. इस योजना को पूरा करने के लिए सबका सहयोग आवश्यक है। (सहायता/ सहयोग)

4. **दिए गए शब्दों में 'र' के विभिन्न रूपों का प्रयोग हुआ है—**

• 'र' के रूप

स्वर सहित र क्+र — क्र — क्रम, क्रय

स्वर रहित र् र्+म — र्म — कर्म, कार्य

- **पाठ में से स्वर सहित 'र' और स्वर रहित 'र' के दो-दो शब्द छाँटकर लिखिए—**

स्वर सहित 'र'	प्राण	प्रयोग	प्रतिदिन
स्वर रहित 'र्'	स्पर्श	कर्तव्य	परमार्थ

5. **नीचे लिखे अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—**

• comprehension

H.W

ऐसा कोई कार्य नहीं है जिसे धैर्य, परिश्रम, निष्ठा और स्वाध्याय से तुम पूरा न कर सको। इसके लिए तुम्हें अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है, सतत परिश्रम करना पड़ सकता है या फिर तुम्हें बार-बार परिश्रम करना पड़ सकता है, पर हर काम किया जा सकता है। अपने अज्ञान को अपने से मत छिपाओ। जब तक तुम इच्छित विषय को जान न लो तब तक संतुष्ट न हो। मनुष्य का सबसे बड़ा गुरु समय है। अपने समय का ध्यान रखो। प्रत्येक काम समय पर सही ढंग से करने का प्रयास करो। प्रयास करना और निरंतर करते रहना ही सफलता का प्रथम चरण है।

i. कार्य कैसे पूरे किए जा सकते हैं?

ii. मनुष्य को कब तक संतुष्ट नहीं होना चाहिए?

iii. मनुष्य का सबसे बड़ा गुरु कौन है?

iv. सफलता का प्रथम चरण किसे कहा जाता है?

Scanned with CamScanner